रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 6 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 223 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इस अनंत चतुर्दशी पर

एक संकल्प

गणपति बप्पा का विसर्जन अब नदी-नालों में नहीं, बल्कि धरती माँ की गोद में करें। एक पेड़ लगाइए गणेश जी के नाम से घर, फ़ार्महाउस या किसी सरकारी ज़मीन पर छोटा सा कुंड बनाकर इको-फ्रेंड्ली विसर्जन करें

गणेश जी रहेंगे सदा आपके साथ और पर्यावरण भी होगा सुरक्षित। "हर साल बप्पा आएँगे, और उनके नाम पर पेड़ भी छायादार बनेंगे।"

रणजीत टाइम्स संपादक
गोपाल गावंडे

अनन्त चतुर्दशी चल समारोह 2025

सभी तैयारियां पूरी

कड़े इंतजाम

इंदौर, इंदौर की गौरवशाली परम्परा के अनुसार इस वर्ष भी अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर आज 6 एवं 7 सितम्बर की दरमियानी रात को शहर के विभिन्न मार्गों से झिलमिलाती नयनाभिराम झांकियां निकलेंगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा प्रशासनिक और अन्य जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। इस वर्ष भी खजराना गणेश मंदिर, इंदौर विकास प्राधिकरण, होप टेक्सटाईल (भण्डारी) मिल, नगर निगम, कल्याण मिल, स्पूतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी और मालवा मिल, स्वदेशी मिल, राजकुमार मिल तथा हुकमचंद मिल, जय हरसिद्धी माँ सेवा समिति सहित अन्य संस्थाओं की झांकियां निकलेंगी। एक संस्थान की दो या तीन झांकियां रहेंगी जो आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ स्वचलित होंगी। झांकियों के साथ अखाड़े भी रहेंगे।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि चल समारोह के मद्देनजर शहर में कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। साथ ही साफ-सफाई, प्रकाश और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था भी की गयी है। जुलूस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था संबंधी निगरानी के लिये वाच टावर बनाये गये हैं। इन वाच टावर्स पर चिकित्सकों को भी तैनात किया गया है। साथ ही प्रमुख स्थानों पर मय चिकित्सक के एम्बूलेंस भी तैनात की गयी हैं। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी लगातार निगरानी की जायेगी। चल समारोह में शराब पीकर आने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए पुलिस द्वारा ब्रीथ एनेलाइजर के माध्यम से जाँच की जायेगी।

झांकिया

1.खजराना गणेश मंदिर, 2. श्री शास्त्री कार्नर नवयुक मण्डल छोटा गणपति मंदिर मल्हारगंज, 3. इंदौर विकास प्राधिकरण, 4. नगर निगम, 5. होप टेक्सटाईल (भण्डारी मिल), 6. कल्याण मिल, 7. मालवा मिल, 8. हुकुचंद मिल, 9. स्वदेशी मिल, 10. राजकुमार मिल, 11. स्पूतनिक ट्यूटोरियल एकेडमी, 12. जय हरसिद्धी माँ सेवा समिति। झांकी मार्ग अनन्त चतुर्दशी चल समारोह आज 6 सितम्बर, शनिवार को शाम 6 बजे से शुरू होगा। उक्त चल समारोह मिल क्षेत्र और डीआरपी लाइन मैदान से प्रारंभ होकर श्रम शिविर, देवी अहिल्या मार्ग, एमजी रोड़, कृष्णपुरा, नंदलालपुरा, जवाहर मार्ग, नरसिंह बाजार, सीतला माता बाजार, गौराकुंड, खजूरी बाजार से राजवाड़ा होकर वापस अपने मिलों में पहुंचेगा।

नवीन स्वागत मंचों की अनुमति नहीं दी गई है। केवल उन्ही मंचों को अनुमति दी गई है जो परम्परागत रूप से लगाये जाते रहे हैं। स्वागत मंचों की अनुमति नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में परम्परागत लगाये जाने वाले मंचों को ही परीक्षण उपरांत दी गई है। एक स्वागत मंच पर दो से अधिक स्पीकर लगाने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

अखाड़ों के उस्तादों से कहा गया है कि वे झांकी निकलने के पूर्व अर्थात् शाम 5 बजे तक अपने-अपने निर्धारित स्थल पर पहुँच जाएं। अखाड़ों में शराब आदि नशा करके चलना प्रतिबंधित है। साथ ही तेज धारदार संघातिक हथियार लेकर चलना भी प्रतिबंधित है। मिट्टी के तेल को मुंह में भरकर आग उड़ाना एवं अन्य खतरनाक किस्म के करतब भी प्रतिबंधित है। अखाड़ों के व्यक्तियों द्वारा दण्डाधिकारी का आदेश नहीं मानने पर उसे तुरंत जुलूस से अलग कर बाद में उसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। अखाड़ों में धारदार एवं संघातिक किस्म के हथियार को लेकर चलना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। अखाड़ों के उस्तादों को प्रतीक के रूप में मात्र एक तलवार म्यान में रखकर चलने की अनुमति रहेगी। प्रत्येक अखाड़े के सदस्य स्वागत मंच पर एक मिनिट तथा निर्णायक मंच पर तीन मिनिट तक करतब दिखायेंगे। यदि झांकियों के बीच में गैप हो तो ड्यूटी पर उपस्थित पुलिस अधिकारियों द्वारा अखाड़ों को आगे बढ़ाने संबंधी दिये गये निर्देशों का अखाड़ों द्वारा पालन किया जायेगा। प्रत्येक अखाड़े के सदस्यों की ड्रेस (वेशभूषा) एक जैसी रहेगी तथा अखाड़े की ओर से प्रत्येक सदस्य को बैजेस दिए जायेंगे।

सिंगापुर टाउनशिप ब्रिटिश पार्क फेस–1 में गणपति बप्पा की महाआरती व छप्पन भोग का आयोजन

राजेश धाकड़

इंदौर।सिंगापुर टाउनशिप ब्रिटिश पार्क फेस-1 स्थित नागेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विराजित गणपति बप्पा के पांडाल में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया गया। गुरुवार रात्रि को महाआरती एवं छप्पन भोग का कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कॉलोनी की मातृशक्ति ने अपने-अपने घरों से विविध प्रकार के

व्यंजन बनाकर भगवान गणपति को अर्पित किए। इसके बाद भक्तिमय माहौल में महाआरती संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान मातृशक्ति द्वारा भजन-कीर्तन कर गणपति जी की आराधना की गई और घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई। नागेश्वर महादेव मंदिर समिति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

रणजीत टाइम्स 02
इंदौर, शनिवार 6 सितम्बर 2025

मऊगंज में सियासी टकराव की आहट

ज्ञापन पर कार्रवाई न होने से पूर्व विधायक बन्ना ने 7 सितंबर को जन आंदोलन का किया ऐलान

सीएम मोहन यादव के सौगात कार्यक्रम पर छाएगा विरोध का साया

मऊगंज। मध्यप्रदेश की राजनीति में 7 सितंबर का दिन बेहद गर्माने वाला साबित हो सकता है। एक ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देवतालाब में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे, तो दूसरी ओर मऊगंज में कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना प्रशासन के खिलाफ जन आंदोलन की अगुवाई करेंगे। इससे प्रदेश की सियासत में टकराव और तेज होने के आसार बन गए हैं। दरअसल, पूर्व विधायक बन्ना ने 1 सितंबर को प्रशासन को 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा था, जिसमें किसानों की गंभीर समस्याओं, अस्पतालों की बदहाली, बढ़ते अपराध, गौशालाओं के बावजूद सड़कों पर घूमते आवारा पशुओं से हो रहे हादसों, बाढ़ पीड़ितों को मुआवज़ा न मिलने, नगर परिषदों और जनपद कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार और पत्रकारों पर दर्ज फर्जी एफआईआर जैसे मुद्दों को शामिल किया गया था। लेकिन उनका आरोप है कि प्रशासन ने इस ज्ञापन पर कोई कार्रवाई नहीं की। स्थिति तब और बिगड़ गई जब ज्ञापन सौंपने के दिन खुद कलेक्टर भी मौजूद नहीं रहे। इससे नाराज होकर बन्ना समर्थकों संग धरने पर बैठ गए। हालात तनावपूर्ण हो गए और अंततः कलेक्टर व एसपी को मौके पर पहुंचना पड़ा। उस समय प्रशासन को 7 सितंबर तक का अल्टीमेटम दिया गया था। अब जब यह समय सीमा समाप्त हो रही है, पूर्व विधायक ने साफ कर दिया है कि न तो प्रशासन ने कोई जवाब दिया और न ही समाधान किया। ऐसे में अब जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। पूर्व विधायक बन्ना ने प्रेसवार्ता में कहा कि मऊगंज की जनता की समस्याओं की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। किसान, बाढ़ पीड़ित, व्यापारी और आम लोग रोजमर्रा की दिक्कतों से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। उन्होंने चेतावनी दी कि 7 सितंबर को सड़कों पर जनता का गुस्सा उमड़ेगा और आंदोलन का बिगुल फूंका जाएगा। उधर, मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम को लेकर देवतालाब में प्रशासनिक अमला पूरी ताकत से तैयारियों में जुटा है। लेकिन मऊगंज में उठती विरोध की लहर ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। अब देखना होगा कि सीएम की सौगातों के बीच पूर्व विधायक का आंदोलन किस रूप में सामने आता है और क्या यह सियासी संघर्ष सरकार के लिए नई मुश्किलें खड़ी करेगा।

राजनीति में गरमाया विवाद

कांग्रेस ने ड्रग्स पैडलर 'मछली' से मंत्री विश्वास सारंग की नजदीकियों का वीडियो किया साझा

● भाजपा ने बताया नकारात्मक राजनीति

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति इन दिनों एक बार फिर गरमा गई है। ड्रग्स, लैंड और लव जिहाद मामलों में आरोपी मछली परिवार के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। इसी बीच कांग्रेस ने भाजपा सरकार और खासकर मंत्री विश्वास सारंग को निशाने पर ले लिया है। कांग्रेस का आरोप है कि सारंग का संबंध लंबे समय से इस आपराधिक परिवार से रहा है और इसका सबूत खुद उनके सामने आया वीडियो है। एमपी कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें मंत्री विश्वास सारंग बाइक चला रहे हैं और उनके पीछे आरोपी शारिक मछली बैठे नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने वीडियो के साथ लिखा, ÷ड्रग जिहाद, लैंड जिहाद और लव जिहाद के आरोपी शारिक मछली के साथ मंत्री विश्वास सारंग का दोस्ताना देखिए।÷ इस वीडियो के सामने आते ही सियासत तेज हो गई और कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर सीधा हमला बोला। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार ड्रग्स माफिया के खिलाफ सख्ती दिखाने की बात करती है, लेकिन उनके ही मंत्री अपराधियों से गहरे संबंध रखते हैं। कांग्रेस नेता जयवर्धन सिंह ने पहले भी मंत्री विश्वास सारंग पर आरोप लगाया था और कहा था कि ड्रग्स तस्करों के तार सीधे भाजपा मंत्रियों से जुड़े होते हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कुछ महीने पहले उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का नाम भी ऐसे ही मामले में सामने आया था, जब एमडी ड्रग्स के तस्कर मंदसौर जिले से पकड़े गए थे और वे भाजपा कार्यकर्ता निकले थे। हालांकि भाजपा ने कांग्रेस के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल नकारात्मक राजनीति करती है और बिना आधार के आरोप लगाती है। उन्होंने कहा कि मछली परिवार और उससे जुड़े तमाम लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है, यहां तक कि बुलडोजर चलाकर उनके अवैध ढांचे तोड़े गए। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस खुद अनवर कादरी जैसे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर पाई, जबकि वे फंडिंग और अवैध गतिविधियों में शामिल थे। यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस ने ड्रग्स पैडलर मछली परिवार का मुद्दा उठाया हो। इससे पहले भी पार्टी कई बार विश्वास सारंग और अन्य भाजपा नेताओं पर अपराधियों से करीबी संबंध रखने का आरोप जड़ चुकी है। लगातार आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह मामला एक बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है और राज्य की सियासत में ड्रग्स माफिया और सत्ता पक्ष के रिश्तों पर नई बहस शुरू हो गई है।

रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर अपनी गुमशुदा पत्नी की तलाश में दर-दर भटक रहे

बेटे संग लगाए पोस्टर, पुलिस पर मदद न करने का आरोप, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

ग्वालियर। शहर में एक रिटायर्ड अधिकारी अपनी पत्नी की तलाश में बेसहारा होकर दर-दर भटक रहे हैं। 65 वर्षीय रामकुमार शर्मा, जो ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट में डिप्टी कमिश्नर के पद से रिटायर हो चुके हैं, बीते कई दिनों से अपनी गुमशुदा पत्नी को ढूंढ रहे हैं। उनकी पत्नी पदमा शर्मा (61) अचानक 31 अगस्त की सुबह घर से बाहर निकलीं और उसके बाद से अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिला। पत्नी की तलाश में उन्होंने अपने स्तर पर खोजबीन शुरू की और जब सफलता नहीं मिली तो थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस इस मामले में कोई ठोस मदद नहीं कर रही। मजबूर होकर वह अपने बेटे के साथ चौक-चौराहों, मुख्य बाजारों और सार्वजनिक जगहों पर पत्नी के गुमशुदा पोस्टर चिपका रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नम आंखों के साथ मदद की अपील की है। शर्मा ने कहा कि पत्नी की अचानक गुमशुदगी ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। उनकी पत्नी मानसिक रूप से थोड़ी बीमार भी चल रही थीं और ऐसे में उनका बिना किसी जानकारी के लापता हो जाना परिवार के लिए और भी गंभीर चिंता का कारण है। रामकुमार शर्मा बताते हैं कि उन्होंने खुद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर खोजबीन की कोशिश की, लेकिन कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई। उनकी पीड़ा है कि रिटायर होने के बावजूद, उन्हें अपनी पत्नी को ढूंढने में अकेले ही संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का रवैया बेहद लापरवाह है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। वहीं मामले में सीएसपी रबिन जैन का कहना है कि रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है और पुलिस सक्रियता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और परिवार द्वारा दी गई सूचनाओं के आधार पर महिला की तलाश की जा रही है। ग्वालियर की इस घटना ने प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर रिटायर्ड अधिकारी अपनी पत्नी की तलाश में आमजन से मदद मांग रहे हैं, वहीं पुलिस का ढुलमुल रवैया लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री की ओर से इस मामले में कोई ठोस हस्तक्षेप होता है या नहीं।

ओबीसी आरक्षण पर गरमी

कमलनाथ का आरोप, सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से पहले भाजपा सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी में

भोपाल। मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मुद्दा एक बार फिर सियासी तूल पकड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा बीते छह साल से ओबीसी आरक्षण पर दोमुंही नीति अपनाए हुए है। कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने वर्ष 2019 में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया था, लेकिन उसके बाद इस आरक्षण को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक मंचों और बयानों में भाजपा नेता 27 प्रतिशत आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन अदालत और नीतिगत फैसलों में बार-बार इसका विरोध करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अब जबकि सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर अंतिम सुनवाई शुरू होने वाली है, उससे पहले भाजपा सरकार सर्वदलीय बैठक बुलाकर 27 प्रतिशत आरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही थी। इस बैठक में कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने सरकार का समर्थन भी किया था। लेकिन अब खबरें सामने आ रही हैं कि सुनवाई के दौरान भाजपा सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी में है। कमलनाथ ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वह समाज की बदलती जरूरतों को पहचाने और ओबीसी समाज के साथ छलावा न करे। उन्होंने कहा कि

पिछले छह साल से ओबीसी वर्ग भाजपा की नीतियों से ठगा महसूस कर रहा है और अब वह सच्चाई समझ चुका है। यदि सरकार ओबीसी के लिए रोके गए 13 प्रतिशत पदों पर नियुक्तियों और नई भर्तियों में 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित नहीं करती, तो साफ हो जाएगा कि भाजपा का असली चेहरा आरक्षण विरोधी है। उन्होंने ऐलान किया कि यदि सरकार पीछे हटती है तो कांग्रेस बड़े पैमाने पर विरोध करेगी। कमलनाथ ने कहा, ÷ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाना हमारा संकल्प है और इसके लिए हम किसी भी स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं।÷ मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण का यह विवाद अब सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और सरकार की भावी रणनीति पर टिका है, लेकिन सियासत में इसे लेकर गर्म माहौल पहले से ही बन चुका है।

उजागर हुआ करोड़ों का राशन घोटाला

11 राशन दुकानों के संचालक और 4 शासकीय कर्मचारी सहित 33 लोगों पर एफआईआर दर्ज

जबलपुर। जिले में करोड़ों रुपये का राशन घोटाला सामने आया है। कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन ने 11 राशन दुकानों से जुड़े 29 संचालकों और 4 शासकीय कर्मचारियों सहित कुल 33 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि इन लोगों ने 2,20,12,460 रुपये मूल्य के खाद्यान्न की हेराफेरी की और लाखों हितग्राहियों को उनका हक नहीं मिलने दिया। यह गड़बड़ी 31 अगस्त 2022 से 31 अक्टूबर 2022 के बीच की गई थी। इस दौरान पोर्टल और पीओएस मशीन का दुरुपयोग कर राशन का वितरण कागजों पर तो दिखाया गया, लेकिन हकीकत में हितग्राहियों तक अनाज पहुंचा ही नहीं। जांच में खुलासा हुआ कि 391 मीट्रिक टन गेहूं, 338 मीट्रिक टन चावल, 3 मीट्रिक टन नमक और करीब 1 मीट्रिक टन शक्कर राशन दुकानों से गायब कर दिया गया। यह पूरा घोटाला स्टेट एडमिन की लॉगिन का इस्तेमाल कर अंजाम दिया गया, जिससे अनाज सीधे पोर्टल पर समाप्त दिखा दिया गया।

मामला सामने आने के बाद जबलपुर कलेक्टर ने सख्ती दिखाते हुए क्राइम ब्रांच थाने में एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए। इसके बाद पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। खास बात यह है कि इस हेराफेरी में केवल राशन दुकान संचालक ही नहीं बल्कि 4 शासकीय सेवक भी शामिल पाए गए हैं, जिन पर अब सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि इस तरह की गड़बड़ियां सीधे तौर पर गरीबों के हक पर डाका डालने जैसा अपराध है। हितग्राहियों को उनके हक का अनाज न देकर उसे बाजार में खपाया गया। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस की जांच से यह खुलासा होगा कि राशन कहां गया और किन-किन बड़े लोगों की इसमें मिलीभगत रही।

महिला जज को जान से मारने की धमकी

5 अरब की फिरौती मांगने वाला आरोपी प्रयागराज से गिरफ्तार

रीवा। जिले में उस समय हड़कंप मच गया जब एक महिला न्यायिक मजिस्ट्रेट को डाक से धमकी भरा पत्र मिला। इस पत्र में न केवल उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई, बल्कि 5 अरब रुपये की भारी-भरकम फिरौती की मांग भी की गई थी। मामला सामने आते ही पुलिस और न्यायिक महकमे में सनसनी फैल गई। यह घटना 2 सितंबर 2025 की है, जब मजिस्ट्रेट को यह पत्र मिला। पत्र में धमकी देने वाले का नाम संदीप सिंह लिखा हुआ था। जैसे ही पत्र सामने आया, पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए रीवा एसपी विवेक सिंह ने खुद जांच की कमान संभाली और सोहागी थाना पुलिस की टीम को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच के दौरान पुलिस ने डाकघर से सुराग जुटाए। डाक की लोकेशन और रजिस्ट्रेशन की जांच के बाद यह साफ हुआ कि पत्र प्रयागराज के ऋरू डाकघर से भेजा गया था। वहां लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर आरोपी की पहचान हो गई। फुटेज में साफ दिखाई दिया कि पत्र रजिस्ट्री कराने वाला शख्स 74 वर्षीय बुजुर्ग देवराज सिंह था। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी देवराज सिंह को प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने चौंकाने वाला खुलासा किया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसका गांव के ही संदीप सिंह से पुराना विवाद चल रहा था। इसी दुश्मनी के चलते उसने संदीप को फंसाने के लिए उसकी पहचान का इस्तेमाल किया और उसके नाम से मजिस्ट्रेट को धमकी भरा पत्र भेज दिया।

अमेरिकी कपास पर आयात शुल्क पूर्ववत हो : रघु ठाकुर

भोपाल। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संरक्षक रघु ठाकुर ने कहा है कि एक तरफ सरकार अमेरिका द्वारा टैरिफ वृद्धि के संकट से जूझ रही है और दूसरी तरफ अमेरिका व अन्य देशों से कपास के आयात कर से छूट दे रहा है। हाल ही में सरकार ने कपास के आयात को दिसंबर 2025 तक कर मुक्त कर दिया है। यह भारतीय किसानों के लिए एक खतरनाक निर्णय है, क्योंकि जब बाद में भारतीय किसानों की कपास की फसल आएगी तब तक बाजार अमेरिका और विदेशी कपास से भर चुका होगा और भारतीय किसान के द्वारा पैदा किए गए कपास के दाम गिर जाएंगे। किसान आत्महत्या करने को लाचार हो जाएंगे।

यह भी दुखद है कि प्रधानमंत्री दो मुखी भाषा बोल रहे हैं। रोज बयान देते हैं कि स्वदेशी का इस्तेमाल करें और वोकल फॉर लोकल का नारा लगाते हैं

जवाहर टेकरी के इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर प्रांगण में सनातनी मंडली द्वारा विशाल चलित भंडारे का आयोजन

रणजीत टाइम्स

जवाहर टेकरी के इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर प्रांगण में सनातनी मंडली द्वारा विशाल चलित भंडारे का आयोजन जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद प्राप्त किया गया एवं गणपति बप्पा के दर्शन किए गए प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सनातनी मंडली द्वारा विशाल गणेश उत्सव का कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम के मुख्य आयोजक चेतन मालवीय (त्यागी) गोलू मालवीय ,(डेनी) विजय ठाकुर कान्हा सिंग ठाकुर शुभम सिंह ठाकुर, वीरेंद्र ,सचिन राठौड़, मयंक बामणिया , तनुज पटेल , आदि समाज सेवी कार्यक्रम में उपस्थित रहे वही बप्पा को सनातनी मंडली द्वारा छप्पन भोग भी लगाए गए..!

अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले चल समारोह को दृष्टिगत रखते हुए थाना सराफा प्रभारी सुरेंद्र रघुवंशी द्वारा बैंड संचालकों की बैठक

राजेश धाकड़

इंदौर थाना सराफा परिसर में आयोजित की गई । बैठक में चल समारोह में शामिल होने वाले बैंड संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कुल 6 बैंड संचालकों में से राजकमल बैंड एवं श्याम बैंड द्वारा चल समारोह में शामिल होने की सहमति दी गई है।

इन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए कि केवल अनुमती प्राप्त करने के उपरांत ही वे चल समारोह में सम्मिलित हो सकेंगे। इस संबंध में नोटिस जारी कर पालन हेतु स्वीकृति भी ली गई। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए चल समारोह मार्ग—जवाहर मार्ग, सीतलामाता बाजार, खजुरी बाजार एवं थाना सराफा क्षेत्र के मिश्रित आबादी वाले इलाकों की छतों की ड्रोन कैमरे से सघन सर्चिंग कराई गई। पुलिस प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि चल समारोह पूरी तरह से शांति एवं अनुशासन के साथ सम्पन्न हो।

बिग परेड का संदेश और भारत के लिए इसके मायने

3 सितंबर को, चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में जापान के आत्मसमर्पण की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, छह वर्षों में अपनी पहली सैन्य परेड आयोजित की. यह सिर्फ इतिहास की बात नहीं थी, बल्कि राजनीति, शक्ति और दुनिया को संदेश देना था. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए, यह परेड यह दिखाने का एक जरिया थी कि उनका देश अब विश्व मामलों में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है. उनके साथ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन, और ईरान, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और इंडोनेशिया के नेता मौजूद थे. कुल मिलाकर, 26 विदेशी नेता मौजूद थे. यह भी उल्लेखनीय था कि सर्बिया और स्लोवाकिया जैसे कुछ देशों को छोड़कर, अमेरिका, यूरोप, जापान और लगभग पूरे पश्चिमी देशों के नेता इसमें शामिल नहीं हुए।

भारत के लिए दो चेहरे उभरकर सामने आए- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल असीम मुनीर. बीजिंग में उनकी मौजूदगी दो बातों पर जोर देने के लिए थी. पहला, पाकिस्तान चीन का सबसे करीबी सैन्य साझेदार बना हुआ है, और यह रिश्ता हथियारों की बिक्री से आगे बढ़कर साझा सिद्धांत और संयुक्त संकेतों तक फैला हुआ है. दूसरा, भारत को चीन के उदय को न केवल ताइवान जलडमरूमध्य या दक्षिण चीन सागर के जरिये, बल्कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी के जरिये भी देखना चाहिए.

परेड में सावधानीपूर्वक चुने गए प्रदर्शनों की भरमार थी. चीन ने अपनी नवीनतम परमाणु मिसाइलों का प्रदर्शन किया, जिनमें डीएफ-61, जिसे मोबाइल प्लेटफॉर्म से प्रक्षेपित किया जा सकता है, और जेएल-3, जो पनडुब्बियों से प्रक्षेपित की जाने वाली उसकी सबसे लंबी दूरी की मिसाइल है, शामिल हैं. अन्य प्रणालियों के साथ, ये हथियार चीन को वह क्षमता प्रदान करते हैं जिसे विशेषज्ञ परमाणु त्रिभुज कहते हैं, यानी जमीन, समुद्र और हवा से हमला करने की क्षमता.

चीन की डीएफ-17 और वायजे-21 जैसी हाइपरसोनिक मिसाइलें भी उतनी ही आकर्षक थीं. ये ध्वनि की गति से कई गुना तेज गति से उड़ सकती हैं और उड़ान के बीच में ही अपना रास्ता बदल सकती हैं, जिससे इन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है. इनके साथ ही, जहाजों और जमीनी लक्ष्यों पर सटीक निशाना लगाने के लिए डिजाइन की गई क्रूज मिसाइलें भी थीं.

एक और खास बात नई पीढ़ी के ड्रोन और ड्रोन-रोधी हथियार थे. चीन ने मानवरहित विमानों, वाहनों और यहां तक कि समुद्री जहाजों के झुंड का प्रदर्शन किया. ड्रोन को मार गिराने के लिए डिजाइन किए गए हथियार, जैसे लेजर, माइक्रोवेव बीम और इंटरसेप्टर, भी उतने ही प्रभावशाली थे. यूक्रेन और गाजा में हुए हालिया युद्धों से स्पष्ट रूप से महत्वपूर्ण सबक लिए गए हैं, जहां ड्रोन ने बड़ी भूमिका निभाई. एयरोस्पेस फोर्स, साइबरस्पेस फोर्स और इन्फॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स. इसका उद्देश्य यह संकेत देना था कि आधुनिक युद्ध केवल टैंकों और विमानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उपग्रहों, नेटवर्क और सूचना का भी अहम योगदान है.

भारत के लिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होना, लेकिन परेड में शामिल न होना, एक सोची-समझी रणनीति थी. एक ओर, भारत अमेरिका की अप्रत्याशित नीतियों के घेरे में नहीं आना चाहता, खासकर मई में हुए संघर्ष के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाने और पाकिस्तान के प्रति नरम रुख अपनाने के बाद. दूसरी ओर, भारत को चीन के सैन्य प्रदर्शन का समर्थन करते हुए नहीं देखा जा सकता. संदेश सीधा था- भारत जहां जरूरी होगा, वहां शामिल होगा, लेकिन बीजिंग के खेल में गौण भूमिका नहीं निभाएगा. नई दिल्ली के लिए सबसे सीधा सबक यह है कि आज चीन जो दिखा रहा है, कल पाकिस्तान भी वही दिखा सकता है. ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के खिलाफ लंबी दूरी की पीएल-15 मिसाइलों से लैस चीनी जे-10 सी लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया था. यह इन प्रणालियों का पहला युद्धक प्रयोग था. यह याद दिलाता है कि चीनी

बढ़त तियानमेन चौक तक ही सीमित नहीं रहती, वे जल्दी ही हमारे आसमान में भी अपना रास्ता बना लेते हैं. भारत के लिए चिंता का एक और कारण शी जिनपिंग के साथ पुतिन की मौजूदगी है. यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पश्चिमी देशों से पूरी तरह कट गया है और मॉस्को अब बीजिंग पर बहुत अधिक निर्भर है. भारत लंबे समय से हथियारों, पनडुब्बियों और मिसाइलों के लिए रूस पर निर्भर रहा है. लेकिन अगर रूस चीन के साथ ज्यादा संवेदनशील तकनीक साझा करता है और बदले में वह तकनीक पाकिस्तान को मजबूत बनाती है, तो भारत की सुरक्षा को नए खतरे का सामना करना पड़ सकता है.

चीन ने लंबी दूरी की तोपें, ऊंचाई पर मार करने वाले उपकरण और मानवरहित प्रणालियों का प्रदर्शन किया, जिन्हें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात किया जा सकता है. नई सड़कों और मोबिलाइजेशन प्रणालियों के साथ, पीएलए (चीनी सेना) यह संकेत दे रही है कि वह सीमा पर पहले से कहीं ज्यादा तेजी से आगे बढ़ सकता है. इस प्रकार, हिमालयी सीमा भी चीनी नाटकीयता की इस कहानी का हिस्सा बन गई.

हमारे पड़ोसी इस परेड को कैसे देखेंगे? बांग्लादेश, जो पहले से ही चीन के कर्ज का एक बड़ा प्राप्तकर्ता है, इस परेड में इस बात का प्रमाण देखेगा कि बीजिंग की आर्थिक ताकत उसकी कठोर शक्ति पर आधारित है. दो दिग्गजों के बीच फंसा नेपाल, दिल्ली और बीजिंग के बीच अधिक सावधानी से बचाव करने का नया कारण खोज लेगा. शी और पुतिन को एक साथ देख रहा श्रीलंका यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि हिंद महासागर में चीन की उपस्थिति स्थायी है. इनमें से प्रत्येक बात भारत के लिए अपने ही घर में जगह को छोटा कर रही है, जब तक कि हम अपनी कूटनीति को आगे नहीं बढ़ाते, परियोजनाओं को समय पर पूरा नहीं करते, और यह नहीं दिखाते कि हम भी एक विश्वसनीय साझेदार हो सकते हैं.

यह संदेश दक्षिण-पूर्व एशिया तक भी पहुंचा. कंबोडिया और लाओस जैसे देश इस प्रदर्शन का स्वागत कर रहे थे. वियतनाम, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे अन्य देश दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की बढ़ती नौसैनिक शक्ति को लेकर चिंतित थे क्योंकि वे अभी कोई पक्ष नहीं चुनना चाहते थे. अमेरिका जितना अधिक समय तक अनुपस्थित और विचलित रहेगा, उनके लिए संतुलन बनाना उतना ही कठिन होता जाएगा. पीएलए ने 1979 के बाद से कोई युद्ध नहीं लड़ा है. भ्रष्टाचार ने इसके वरिष्ठ अधिकारियों को कमजोर कर दिया है. इसके संयुक्त अभियानों का अभी तक परीक्षण नहीं हुआ है. अमेरिका के अभी भी एशिया भर में मजबूत गठबंधन और ज्यादा अड्डे हैं. ये पीएलए की जानी-मानी कमजोरियां हैं. सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक शक्ति के इस प्रभावशाली प्रदर्शन से गति जरूर पैदा होगी. एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने सहयोगियों पर शुल्क लगा रहे हैं और पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शी जिनपिंग 26 नेताओं की मेजबानी कर रहे हैं और नई मिसाइलों का प्रदर्शन कर रहे हैं, तो ऐसा लग रहा है जैसे अमेरिका पीछे हट रहा है और चीन आगे बढ़ रहा है. भू-राजनीति में, गति अक्सर ठोस आंकड़ों से भी ज्यादा मायने रखती है. अभी, ऐसा लग रहा है कि धारणा बीजिंग के पक्ष में जा रही है.

भारत मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकता. हमें बेहतर वायु रक्षा प्रणाली, अधिक विश्वसनीय मिसाइलें और मजबूत ड्रोन-रोधी प्रणालियां चाहिए. आजकल युद्ध केवल बमों से ही नहीं, बल्कि साइबर हमलों, जीपीएस स्पूफिंग और सैटेलाइट जैमिंग से भी लड़े जाते हैं. भारत को सुरक्षित संचार और मजबूत बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए.

अंततः, हमें अपनी साझेदारियों में लचीलापन बनाए रखना चाहिए. अमेरिका मूल्यवान तो है, लेकिन अप्रत्याशित भी. रूस महत्वपूर्ण बना हुआ है, लेकिन चीन के करीब जा रहा है. भारत को अपने विकल्प खुले रखने चाहिए, कई साझेदारों के साथ काम करना चाहिए और सच्ची रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखनी चाहिए.

चीन की परेड का मकसद लोगों को प्रभावित करना था. इसने सफलतापूर्वक यह धारणा बनाई है कि चीन आगे बढ़ रहा है जबकि दूसरे लड़खड़ा रहे हैं. भारत के लिए, खतरा सिर्फ प्रदर्शित हथियारों से नहीं है, बल्कि इस बात से भी है कि वे कितनी जल्दी पाकिस्तान के शस्त्रागार में पहुंच जाते हैं. बीजिंग में शहबाज शरीफ और असीम मुनीर की मौजूदगी चीन और पाकिस्तान की दोस्ती की याद दिलाती है. 1945 की विजय ने एशिया को नया रूप दिया. 2025 में, चीन द्वारा उस विजय का स्मरणोत्सव इस बात की याद दिलाता है कि एशिया में शक्ति संतुलन फिर से बदल रहा है. भारत एक काउंटर बैलेंस के रूप में उभरेगा या घिर जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हम आज अपने आकाश में, अपनी सीमाओं पर और अपने पड़ोस में कितनी दृढ़ता से कार्य करते हैं।

संपादकीय

सरकारी अस्पतालों की गिरती साख को बचाना होगा

इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवाईएच) में चूहों द्वारा 48 घंटों के भीतर दो नवजात बच्चों के शरीर को कुतरने की घटना ने सरकारी अस्पतालों में बरती जाने वाली लापरवाही को एक बार फिर उजागर किया है. हैरानी की बात यह है कि एक बच्चे को रविवार को चूहे ने जब काटा तो उसके बाद भी अस्पताल प्रशासन की नींद नहीं खुली और अगले दिन एक और बच्चे को चूहों ने काट लिया!

इन दोनों बच्चे की मौत होने की खबर सामने आ रही है, हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने चूहे के काटने के कारण मौत होने की बात से इनकार किया है. इंदौर की यह घटना कोई अपवाद नहीं है और सरकारी अस्पतालों की बदहाली के कारण ही देशभर में निजी अस्पताल फल-फूल रहे हैं. इंदौर के इसी एमवाई अस्पताल में विगत मई माह में ही कैजुअल्टी में पीजी डॉक्टरों की जगह ठेके पर रखे गए कर्मचारी और लैब असिस्टेंट मरीजों का इलाज करते पाए गए थे. तब अस्पताल के अधीक्षक ने स्वीकार किया था कि पहले भी ऐसे फर्जी कर्मचारी पकड़े गए थे.

पिछले साल फिरोजाबाद में प्रसव के दौरान सरकारी डॉक्टरों ने एक महिला का जब आपरेशन किया तो उसके पेट में स्पंज छोड़ दिया था. इससे उसका दोबारा ऑपरेशन करना पड़ा और वह युवती अब कभी मां नहीं बन सकती. कानपुर में दो साल पहले आपरेशन के दौरान एक महिला के पेट में डॉक्टरों ने तौलिया छोड़ दिया, जिससे उसकी जान पर बन आई थी.

चूहों द्वारा मरीजों को कुतरे जाने की तो अनगिनत घटनाएं सामने आ चुकी हैं. इसी साल मई माह में बिहार की राजधानी पटना के सरकारी

अस्पताल नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एनएमसीएच) में एक मरीज के पांव की उंगलियों को चूहों ने कुतर लिया था. इसी अस्पताल में पिछले साल चूहों ने एक शव की आंखें भी कुतर दी थीं. पिछले साल दिसंबर में राजस्थान में जयपुर के स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में कैंसर पीड़ित 10 साल के एक बच्चे की मौत के मामले में बच्चे के पिता ने आरोप लगाया था कि बच्चे की मौत चूहा काटने के बाद हुई ब्लीडिंग की वजह से हुई. पिछले वर्ष फरवरी में तेलंगाना में कामारेड्डी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती मरीज के पैरों और अंगुलियों पर चूहों के कुतरने के निशान मिले और ऐसा ही मामला झारखंड के गिरीडीह के सरकारी अस्पताल में भी सामने आया था, जहां तीन दिन के नवजात को चूहों ने कुतर दिया था.

ऐसा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में प्रतिभाशाली डॉक्टरों की या फंड की कमी होती है. चिकित्सा क्षेत्र के सबसे योग्य डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति ही इन अस्पतालों में होती है और सरकार की तरफ से फंड की कमी भी नहीं होने दी जाती.

लेकिन दुर्भाग्य से कई सरकारी डॉक्टर अपनी निजी प्रैक्टिस में ही व्यस्त रहते हैं और अन्य कर्मचारी भी मरीजों के परिजनों से पैसे ऐंठने की कोशिश में रहते हैं. महंगी दवाइयां मरीजों को बाहर से खरीदने पर मजबूर होना पड़ता है और महंगी जांचों वाले उपकरण भी वहां ज्यादातर खराब ही रहते हैं. ऐसा नहीं है कि सारे सरकारी अस्पतालों की यही हालत है लेकिन ज्यादातर अस्पतालों की यही हकीकत है और इसीलिए गरीब से गरीब आदमी भी बेहद मजबूरी की हालत में ही वहां इलाज कराने के बारे में जाने की बात सोचता है. निश्चित रूप से सरकार को इस बारे में गंभीरता से विचार करना होगा और सरकारी अस्पतालों की साख ऐसी बनानी होगी कि निजी अस्पतालों की तरह आम लोग सरकारी अस्पतालों में भी पूरे

13 को एंट्रेंट टेस्ट; कब आएगा एडमिट कार्ड

दिल्ली के सीएम श्री स्कूल की दाखिला प्रक्रिया में बदलाव

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली सरकार ने अपने नए सीएम श्री स्कूलों में दाखिले के लिए जारी शेड्यूल में थोड़ा बदलाव किया है। इस बदलाव के तहत एंट्रेंट टेस्ट और संबंधित डेट को लगभग दो सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दिया है। शिक्षा निदेशालय (डीओई) के अनुसार, एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड अब 10 सितंबर से उपलब्ध होंगे, जबकि कक्षा 6, 7 और 8 के लिए एंट्रेस टेस्ट 13 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, एग्जाम की डेट 6 सितंबर के लिए निर्धारित की गई थी और एडमिट कार्ड 23 अगस्त को जारी किए जाने थे।

डीओई के मुताबिक, यह एग्जाम द्विभाषी ओएमआर (ऑप्टिकल मार्क रिकॉग्निशन) फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान, मेंटल एबिलिटी और न्यूमेरिकल एप्टिट्यूड जैसे विषय शामिल होंगे। यह एग्जाम ढाई घंटे का होगा, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अतिरिक्त समय होगा।

शिक्षा निदेशालय ने बताया कि चयनित छात्रों की फाइनल लिस्ट 10 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी और दाखिला प्रक्रिया सितंबर के मध्य तक पूरी हो जाएगी। डीओई ने कहा कि सीएम श्री स्कूल, दिल्ली सरकार की एक नई पहल है जिसका उद्देश्य सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करना और छात्रों को आधुनिक, सुसज्जित संस्थानों तक पहुंच प्रदान करना है। दिल्ली सरकार ने अपने 2025-26 के बजट में इन स्कूलों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की थी। ये स्कूल केंद्र के पीएम श्री स्कूलों की तर्ज पर डिजाइन किए गए हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप बनाए गए हैं। इन स्कूलों में एडमिशन के लिए आधी सीटें सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों के लिए रिजर्व होंगी, जिनमें शिक्षा निदेशालय, दिल्ली नगर निगम, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय शामिल हैं। एससी, एसटी, ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) जैसी वंचित श्रेणियों के छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पात्रता मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सभी सीएम श्री स्कूलों में एआई-पावर्ड लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम, बायोमेट्रिक एटेंडेंस सिस्टम और रोबोटिक्स लैब जैसा एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। इन स्कूलों को सौर ऊर्जा से चलाने और जीरो-वेस्ट प्रथाओं का पालन करने की भी योजना है, जिससे दैनिक स्कूली शिक्षा में स्थिरता को एकीकृत किया जा सके। इन स्कूलों का करिकुलम नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क 2023 को फॉलो करेगा, जो एक्सपेरिमेंटल और इंक्वायरी-बेस्ड लर्निंग पर फोकस होगा। दिल्ली स्कूल शिक्षा बोर्ड के चरणबद्ध तरीके से खत्म होने के साथ, नए स्कूल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध होंगे।

पुलिस की चिट्ठी से दिल्ली बार एसोसिएशन नाराज

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली बार एसोसिएशन ने दिल्ली पुलिस द्वारा अदालतों में सबूत को डिजिटल तरीके से पेश करने के प्रस्तावित उपायों के बारे में प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीशों को भेजे गए पत्र की निंदा की है। वकीलों की एक संस्था ने इसके खिलाफ 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की है।

एक बयान में कहा गया है कि थानों से ऑडियो-वीडियो और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पुलिस गवाहों के परीक्षण के संबंध में चार सितंबर को पुलिस आयुक्त कार्यालय से परिपत्र जारी की गई। इसके बाद दिल्ली के जिला अदालतों के सभी जिला बार संघों की समन्वय समिति की एक आपात बैठक हुई।

इसमें कहा गया है कि समन्वय समिति और दिल्ली बार काउंसिल के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दो सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। एलजी द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई अधिसूचना के खिलाफ वकीलों में व्याप्त नाराजगी से उन्हें अवगत कराया था। इस अधिसूचना में दिल्ली के थानों को पुलिस अधिकारियों के साक्ष्य दर्ज करने का स्थान घोषित किया गया था।

समिति के बयान में कहा गया है कि विचार-विमर्श के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया था कि एक आधिकारिक पत्र या परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया जाएगा कि पुलिस अधिकारियों का परीक्षण थानों से नहीं होगा।

दिल्ली में स्पाई कैमरा से महिला का वीडियो बना रहा था पायलट, बोला- खुद की संतुष्टि के लिए ऐसे वीडियो बना रहा था

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली से शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक प्राइवेट कंपनी के पायलट पर महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप लगा है। पायलट की पहचान 31 साल के मोहित प्रियदर्शी के तौर पर हुई है। उस पर आरोप है कि उसने दक्षिण दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में हिडन कैमरे से महिला की आपत्तिजनक वीडियो बनाई है। मामला 30 अगस्त रात 10 बजकर 20 मिनट का बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महिला भी किशनगढ़ इलाके में ही रहती है। शनि बाजार में अचानक उसने गौर किया कि एक शख्स लाइटर जैसी डिवाइस से उसकी आपत्तिजनक वीडियो बना रहा है। महिला ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज किया और तुरंत जांच में जुट गई।

इसके लिए आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरें खंगाले गए। बारीकी से जांच करने पर आरोपी की पहचान हुई और उसकी तस्वीर लोकल यूनिट को भेज दी गई। इसके बाद लोकल इनपुट के आधार पर जल्द ही किशनगढ़ पुलिस थाने के कर्मियों ने उसे गिरफ्तार किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने बताया कि स्थानीय पुलिस और गुप्त मुखबिरों को खुफिया जानकारी जुटाने के लिए ऐक्टिव किया गया था। इसी दौरान एक लोकन इनपुट के बाद आरोपी को दबोच लिया गया। पुलिस को उसके पास से लाइटर जैसा हिडन कैमरा भी मिला है। पुलिस ने जब उससे कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। आरोपी मोहित प्रियदर्शी एक प्राइवेट एयरलाइन में पायलट है। उसकी शादी भी नहीं हुई है। उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वह खुद की संतुष्टि के लिए ऐसे वीडियो बना रहा था।

दिल्ली में बारिश ने तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड

2010 के बाद सबसे ज्यादा बरसा मॉनसून; पिक्चर अभी बाकी है!

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली इस बार मॉनसून जमकर बरस रहा है। बारिश ने शहर को इस कदर भिगोया कि औसत आंकड़ों को पीछे छोड़ते हुए 843.1 मिमी पानी बरस चुका है। यह सामान्य 640.04 मिमी से करीब 32त्न ज्यादा है। दिल्ली में 2010 के बाद ये सबसे ज्यादा बारिश है। मौसम विभाग की मानें तो अभी भी बारिश का दौर जारी है। यानी आने वाले दिनों में और ज्यादा बारिश की संभावना है।

इस मॉनसून में दिल्ली ने हर महीने बारिश का नया रिकॉर्ड कायम किया। जून से लेकर सितंबर तक, हर महीना पानी बरसाने में अव्वल रहा। खासकर अगस्त ने तो कमाल कर दिखाया, जिसमें 400.1 मिमी बारिश हुई, यह सामान्य से 72त्न ज्यादा है। अगस्त में दो दिन तो ऐसे थे, जब 64.5 मिमी की झमाझम बारिश ने दिल्ली को तरबतर कर दिया। यह 2010 के बाद का सबसे गीला अगस्त साबित हुआ। वहीं जून में 107.1 मिमी बारिश दर्ज हुई, जो सामान्य 74.1 मिमी से 45त्न ज्यादा थी। जुलाई में 259.3 मिमी पानी बरसा, जो सामान्य 233.1 मिमी से 24त्न अधिक रहा। इसके अलावा सितंबर ने अभी तक 76.6 मिमी बारिश दी है। जबकि मॉनसून की

विदाई का समय 25 सितंबर अभी बाकी है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार दिन दिल्ली में मॉनसून का मिजाज बरकरार रहेगा। शुक्रवार को हल्की से लेकर मध्यम बारिश की उम्मीद है और उसके बाद भी हल्की बूंदाबांदी माहौल को ताजा रख सकती है। मौसम वैज्ञानिक कृष्णा कुमार ने बताया, इस बार पूरे देश में मानसून ने कमाल किया है। 36 में से सिर्फ तीन उपखंड, जो उत्तर-पूर्व भारत में हैं, बारिश में पीछे रहे। उत्तर-पश्चिम भारत में, पूर्वी उत्तर प्रदेश को छोड़कर, हर जगह बारिश ने झंडे गाड़े हैं। पिछले साल भी दिल्ली ने बारिश का रिकॉर्ड बनाया था, जब सफदरजंग में 1,029.9 मिमी पानी बरसा। लेकिन 2023 और 2022 में बारिश कुछ फीकी रही। 2023 में 660.8 मिमी और 2022 में 516.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं 2021 में दिल्ली ने 1964 के बाद का सबसे गीला मॉनसून देखा, जब 1169.7 मिमी बारिश हुई।

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक श्राद्ध पर्व रहता है। यानी 16 दिनों तक श्राद्ध पर्व मनाया जाता है। इसे पितृपक्ष भी कहते हैं। इस दौरान हर घर के लोग अपने पूर्वज और मृतकों की शांति और सद्गति के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करते हैं।

श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है श्राद्ध कर्म

श्राद्ध कर्म करना एक सभ्य मनुष्य की निशानी है। पशु और पक्षियों में जो संवेदनशील होते हैं वे भी अपने परिवार के मृतकों के लिए निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर संवेदना व्यक्त करते हैं। जिस पिता ने, दादा ने या पूर्वज ने आपका पालन-पोषण किया और आपको एक जीवन दिया उसके प्रति श्रद्धा रखते हुए उसकी शांति और मुक्ति का कर्म करने के लिए श्राद्ध करना चाहिए।

पूर्वजों और अतृप्त आत्माओं की सद्गति के लिए श्राद्ध कर्म करना चाहिए। अतृप्त की तृप्ति के लिए करना होता है श्राद्ध। प्रत्येक पुत्र या पौत्र या उसके सगे संबंधियों का उत्तरदायित्व होता है कि वह उक्त आत्मा की तृप्ति और सद्गति के उपाय करें ताकि वह पुन: जन्म ले सके।

अतृप्ति का कारण

अतृप्त इच्छाएं। जैसे भूखा, प्यासा, संभोगसुख से विरक्त, राग, क्रोध, द्वेष, लोभ, वासना आदि इच्छाएं और भावनाएं रखने वाले को और अकाल मृत्यु मरने वालों के लिए। जैसे हत्या, आत्महत्या, दुर्घटना या किसी रोग के चलते असमय ही मर जाना। आदि के लिए श्राद्ध करना जरूरी है। क्योंकि ऐसी आत्माओं को दूसरा जन्म मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है या कि वह अधोगति में चली जाता है। उन्हें इन सभी से बचाने के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करना जरूरी होता है। अतृप्ति के और भी कई कारण होते हैं। जैसे धर्म को नहीं जानना, गलत धारणा पालना, अनजाने में अपराध या बुरे कर्म करना, हत्या करना, आत्मत्या करना, बलात्कार, हर समय किसी न किसी का अहित करना या किसी भी निर्दोष मनुष्य या प्राणियों को सताना, चोर, डकैत, अपराधी, धूर्त, क्रोधी, नशेड़ी और कामी आदि लोग मरने के बाद बहुत ज्यादा दु:ख और संकट में फंस जाते हैं, क्योंकि कर्मों का भुगतान तो सभी को करना ही होता है। पितृ पक्ष एक ऐसा पक्ष रहता है जबकि उक्त सभी तरह की आत्माओं की मुक्ति का द्वारा खुल जाता है। तब धरती पर पितृयाण रहता है। जैसे पशुओं का भोजन तृण और मनुष्यों का भोजन अन्न कहलाता है, वैसे ही देवता और पितरों का भोजन अन्न का सार तत्व है। सार तत्व अर्थात गंध, रस और उष्मा। देवता और पितर गंध तथा रस तत्व से तृप्त होते हैं।

पितृपक्ष में कुतुप मुहूर्त में करते हैं श्राद्ध

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक 16 दिन तक श्राद्ध पक्ष रहता है। श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें।

चार सबसे श्रेष्ठ समय – शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल – कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहूर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

अभिजीत मुहूर्त – अभिजीत मुहूर्त हर दिन के हिसाब से अलग अलग होता है। किसी दिन यह नहीं भी रहता है। यह कुतुप काल के आसपास का ही मुहूर्त होता है।

अभिजीत मुहूर्त – सुबह 11.53 से 12.41 तक।

रोहिणी काल – रोहिणी काल अर्थात रोहिणी नक्षत्र काल के दौरान श्राद्ध किया जा सकता है।

रोहिणी मुहूर्त – दोपहर 12.41 से 01.29 तक।

मध्याह्नकाल – यदि कुतुप, अभिजीत या रोहिणी काल ज्ञात न हो तो मध्याह्नकाल या अपराह्न काल में श्राद्ध करना श्रेष्ठ रहता है। यानी श्राद्ध का समय तब होता है जब सूर्य की छाया पैरों पर पड़ने लगे।

अपराह्न मुहूर्त – दोपहर 01.29 से 03.53 तक

सिंहस्थ से पहले इंदौर-उज्जैन को मिलेगा आधुनिक हाईवे तोहफ़ा, 48 किमी ग्रीन फील्ड कॉरिडोर और रेलवे ओवरब्रिज के टेंडर जारी

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार ने सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर और उज्जैन के बीच यात्रा को और तेज़, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अब जमीन पर काम तेज कर दिया है। तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर को 2935 करोड़ रुपये की प्रशासकीय मंजूरी दी थी और कल प्रशासन ने जमीन मालिकों की 296 आपत्तियों की सुनवाई भी पूरी कर ली। इसके साथ ही एमपी रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने न सिर्फ इस कॉरिडोर बल्कि रेलवे ओवरब्रिज समेत कई फ्लाईओवर के लिए भी टेंडर आमंत्रित कर लिए हैं। नए कॉरिडोर की कुल लंबाई 48 किलोमीटर होगी, जो इंदौर के पितृ पर्वत से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामण गणेश तक जाएगा। इसकी अनुमानित लागत जीएसटी को छोड़कर 1237.21 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा 156.65 करोड़ रुपये की लागत से फोरलेन फ्लाईओवर भी बनेगा। ठेकेदार कंपनियां

14 अक्टूबर तक ऑनलाइन टेंडर खरीदकर अपने प्रस्ताव जमा कर सकेंगी। यह कॉरिडोर हाइब्रिड एनयूटी मॉडल पर तैयार होगा और निर्माण के साथ ही रखरखाव की जिम्मेदारी भी 17 साल तक ठेकेदार फर्म को ही निभानी होगी। कॉरिडोर में 34 अंडरपास, दो बड़े फ्लाईओवर, एक रेलवे ओवरब्रिज, छह छोटे पुल और दो प्रमुख जंक्शन शामिल होंगे। इसके बाद इंदौर एयरपोर्ट से उज्जैन तक सीधी और तेज़ कनेक्टिविटी मिल सकेगी। अभी जहां मौजूदा इंदौर-उज्जैन हाईवे को फोरलेन से सिक्स लेन में अपग्रेड किया जा रहा है, वहीं नया ग्रीन फील्ड कॉरिडोर यातायात का बड़ा विकल्प बनेगा। इसके साथ ही उज्जैन में हरी फाटक चौराहे से नीलकंठ द्वार तक 500 मीटर लंबे फोरलेन रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण भी एमपीआरडीसी कराएगा। इसमें 140 मीटर हिस्सा बड़नगर की ओर और 360 मीटर हिस्सा त्रिवेणी द्वार की ओर बनाया जाएगा। पहले यह जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दी गई थी लेकिन अब दोनों प्रोजेक्ट्स एमपीआरडीसी के हाथों में हैं। दोनों प्रोजेक्ट्स पर कुल 1400 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। इसके अलावा जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों को नकद मुआवजा भी दिया जाएगा, जिसके लिए प्रावधान कैबिनेट की स्वीकृति में शामिल किया गया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि सिंहस्थ से पहले इंदौर-उज्जैन कॉरिडोर का नया स्वरूप प्रदेश के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से बल्कि औद्योगिक और पर्यटन विकास की दृष्टि से भी यह प्रोजेक्ट प्रदेश की आधारभूत संरचना में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला है।

होप टेक्सटाइल मिल मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सरकार का कब्जा जमीन पर बरकरार रहेगा

इंदौर। होप टेक्सटाइल मिल की बहुचर्चित जमीन विवाद मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सरकार के पक्ष में बड़ा निर्णय सुनाया है। अदालत ने मिल प्रबंधन की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें प्रशासन द्वारा कब्जा लिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसके साथ ही सरकार द्वारा कब्जे में ली गई जमीन पर अब शासन का अधिकार कायम रहेगा। पिछले दिनों जिला प्रशासन ने होप मिल की करीब 22 एकड़ जमीन, जिसकी बाजार कीमत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी जाती है, अपने कब्जे में ले ली थी। इसी आदेश के खिलाफ मिल प्रबंधन ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। हालांकि अदालत ने साफ कर दिया कि इस तरह की याचिका सीधे तौर पर न्यायालय में स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ता के पास पहले से ही वैधानिक विकल्प उपलब्ध है। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता आनंद सोनी ने अदालत में दलील दी थी कि मिल प्रबंधन ने नियमों का पालन नहीं किया और वैकल्पिक कानूनी उपायों को दरकिनार कर सीधे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जो विधिसम्मत नहीं है। कोर्ट ने भी यही मानते हुए कहा कि याचिका प्रचलन योग्य नहीं है और इसे निरस्त किया जाता है। आपको बता दें कि इस जमीन पर लंबे समय से विवाद चल रहा था। 86 साल पहले 1939 में होलकर स्टेट ने उद्योग स्थापित करने के लिए यह जमीन आवंटित की थी, लेकिन मिल प्रबंधन ने पट्टे की शर्तों का पालन नहीं किया। बाद में जमीन का कुछ हिस्सा बेच दिया गया और वहां नया सियागंज मार्केट भी बस गया। यही नहीं, इस जमीन के एक हिस्से का उपयोग वर्तमान में जिला कोर्ट की पार्किंग के रूप में भी किया जा रहा है। शासन ने यह माना कि जिस उद्देश्य से जमीन दी गई थी, उसका पालन नहीं हुआ है। इसे लीज शर्तों का उल्लंघन मानते हुए प्रशासन ने कब्जा ले लिया था। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद सरकार की कार्रवाई पर कानूनी मुहर लग गई है और मिल प्रबंधन के सामने नए विकल्प तलाशने के अलावा कोई रास्ता शेष नहीं बचा है।

एमवाय अस्पताल का चूहा कांड बना सरकार के लिए सिरदर्द, नवजात मौतों पर उठे सवाल और प्रबंधन की पोल खुली

इंदौर। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) में चूहों के आतंक ने आखिरकार दो नवजातों की जान ले ली। यह घटना न सिर्फ अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि सरकार और सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। पिछले सात महीनों में पेस्ट कंट्रोल के नाम पर 20 लाख रुपये खर्च किए गए, लेकिन नतीजा यह निकला कि अस्पताल से महज 150 चूहे ही भगाए जा सके। जबकि हकीकत यह है कि अस्पताल के वार्डों और गलियारों में चूहों का आतंक लगातार बना रहा। यही वजह है कि दो मासूमों के जीवन पर मौत का साया मंडरा गया और आखिरकार उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। यह पूरा मामला तब सामने आया जब हाल ही में चूहों ने दो नवजात शिशुओं पर हमला कर दिया। एक बच्चे की तीन उंगलियां चूहों ने कुतर दीं, वहीं दूसरे बच्चे के सिर और कंधे पर गंभीर चोट पहुंची। इलाज के बावजूद दोनों की मौत हो गई। अस्पताल स्टाफ पर आरोप है

कि उन्होंने समय रहते लापरवाही को रोका नहीं और जब मामला उजागर हुआ तो केवल निलंबन और जांच की खानापूर्ति की गई। विपक्ष ने इसे सीधी हत्या करार दिया और कहा कि अस्पताल की लापरवाही ने ही दो मासूमों की जान ली।

गौर करने वाली बात यह है कि एमवायएच में सफाई और पेस्ट कंट्रोल का जिम्मा एजाइल कंपनी को सौंपा गया है, जिसे हर महीने औसतन दो लाख रुपये सिर्फ पेस्ट कंट्रोल के लिए दिए जाते हैं। लेकिन, जनवरी से जुलाई 2025 तक कंपनी ने कुल 20 लाख रुपये लिए और बदले में केवल 150 चूहे भगाने की रिपोर्ट दी। कंपनी पर केवल एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और अब उसे ब्लैकलिस्ट करने की बात कही जा रही है। सवाल यह है कि जब पिछले साल 20 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान कंपनी को सफाई और अन्य कामों के लिए हुआ, तब बिना ऑडिट के इतनी बड़ी रकम क्यों दी गई।

अस्पताल प्रशासन और डॉक्टर अब जिम्मेदारी से बचने के लिए अलग-अलग तर्क दे रहे हैं। कोई कह रहा है कि मरीजों के परिजन खाना लाकर वार्डों में रखते हैं, जिससे चूहे आते हैं। तो कोई बारिश को जिम्मेदार ठहरा रहा है कि बिलों में पानी भर गया, इसलिए चूहे वार्डों में घुस आए। जबकि सच्चाई यह है कि एमवाय में वर्षों से सफाई व्यवस्था बदहाल है। पुराने उपकरण, गद्दे और बायोमेडिकल वेस्ट लंबे समय तक एक ही जगह पड़े रहते हैं, जिनसे चूहों के लिए पनाहगाह तैयार हो जाती है।

इस मामले ने एक बार फिर अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पोस्टमार्टम को लेकर भी गड़बड़ी सामने आई है। एक बच्ची का शव परिजनों को बिना पोस्टमार्टम के सौंप दिया गया, जबकि प्रशासन ने शुरू में दावा किया था कि दोनों नवजातों का पोस्टमार्टम हुआ है। यही नहीं, डॉक्टरों ने कलेक्टर को भी गलत जानकारी दी। अब राज्य स्तरीय जांच टीम गठित की गई है, लेकिन परिवारों और जनता के मन में यह सवाल गूंज रहा है कि आखिर नवजातों की मौत का असली जिम्मेदार कौन है ङ्क चूहे, अस्पताल प्रबंधन या लापरवाह सिस्टम?

सानंद न्यास का पुरस्कार वितरण समारोह 7 सितंबर को आयोजित

इंदौर। सानंद न्यास का पुरस्कार वितरण समारोह 7 सितंबर रविवार को स्थानीय जाल सभागृह में शाम 5 बजे आयोजित किया गया है। सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे एवं मानद सचिव संजीव वावीकर ने बताया कि पुरस्कार वितरण देवी श्री अहिल्याबाई के वंशज महाराजा यशवंतराव होलकर एवं महाराष्ट्र शासन की राज्य मराठी संस्था के कार्यासन अधिकारी गिरीश पतके हाथों होगा।

यशवंतराव होलकर (तृतीय), लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 16वें वंशज हैं। वे महेश्वर में अहिल्येश्वर छत्री के जीर्णोद्धार और होलकर सांस्कृतिक केंद्र के माध्यम से उनकी धरोहर को संरक्षित कर रहे हैं। माहेश्वरी हैंडलूम परंपरा को बढ़ावा देने के लिए रेहवा सोसायटी एवं वुमन विव्ह से जुड़े हैं। अहिल्या अनुभव समूह का संचालन करते हैं। गिरीश पतके लेखक, निर्देशक व अभिनेता हैं। उन्हें रंगभूमि का 35 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने 17 नाटकों का निर्देशन करने के साथ ही 5 पुस्तकों के शब्दकोशों में संपादन कार्य भी किया है। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में वक्ता, निरीक्षक व व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया। अनेक नाट्यस्पर्धाओं में परीक्षक व मार्गदर्शक भी रहे। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। सानंद न्यास द्वारा अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए, अपने वैभवशाली परंपरा से नई पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विविध स्पर्धाओं का आयोजन करता हे गोष्ट सांगा प्रतियोगिता, सानंद समूह गीत स्पर्धा, नाट्यस्पर्धा। इस वर्ष भी यह सभी स्पर्धाएं सफलता की ऊंचाइयों को छूते हुए संपन्न हुई। विविध स्पर्धाओं में सभी की प्रस्तुतियां फिर वह दादा-दादी की गोष्ट सांगा प्रतियोगिता हो या बच्चों एवं युवाओं की समूह गीत स्पर्धा या शौकिया कलाकारों को प्रोत्साहन मिले ऐसी मंशा से आयोजित नाट्य स्पर्धा प्रशंसनीय रही।

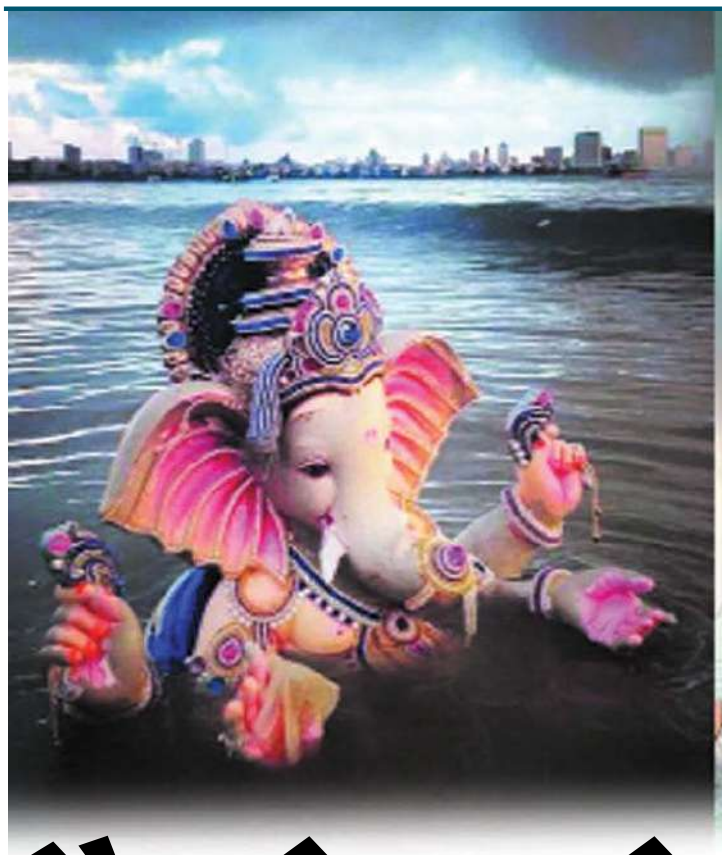

कैसे करें श्री गणेश को बिदा

10 दिन श्री गणेश हमारे घर में विराजित रहे और अब उनकी विदाई होगी। 10 दिन तक हमने उन्हें प्रसन्न करने के हर प्रकार के जतन किए। उन्हें हर प्रकार का भोग लगाया। उनकी पूजन-अर्चन की। अब बारी है इस बात की कि हम उन्हें कैसी बिदाई देते हैं। परंपरानुसार कहा जाता है कि श्री गणेश प्रतिमा को उसी तरह बिदा किया जाना चाहिए जैसे हमारे घर का सबसे प्रिय व्यक्ति जब यात्रा पर निकले तब हम उनके साथ व्यवहार करते हैं। आइए जाने कैसे करें श्री गणेश को बिदा-

- सबसे पहले 10 दिन तक की जाने वाली आरती-पूजन-अर्चन करें।
- विशेष प्रसाद का भोग लगाएं।
- अब श्री गणेश के पवित्र मंत्रों से उनका स्वस्तिवाचन करें।
- एक स्वच्छ पाटा लें। उसे गंगाजल या गौमूत्र से पवित्र करें। घर की स्त्री उस पर स्वास्तिक बनाएं। उस पर अक्षत रखें। इस पर एक पीला, गुलाबी या लाल सुसज्जित वस्त्र बिछाएं।
- इस पर गुलाब की पंखुरियां बिखेरें। साथ में पाटे के चारों कोनों पर चार सुपारी रखें।
- अब श्री गणेश को उनके जयघोष के साथ स्थापना वाले स्थान से उठाएं और इस पाटे पर विराजित करें। पाटे पर विराजित करने के उपरांत उनके साथ फल, फूल, वस्त्र, दक्षिणा, 5 मोदक रखें।
- एक छोटी लकड़ी लें। उस पर चावल, गेहूं और पंच मेवा की पोटली बनाकर बांधें। यथाशक्ति दक्षिणा (सिक्के) रखें। मान्यता है कि मार्ग में उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसलिए जैसे पुराने समय में घर से निकलते समय जो भी यात्रा के लिए तैयारी की जाती थी वैसी श्री गणेश के बिदा के समय की जानी चाहिए।
- नदी, तालाब या पोखर के किनारे विसर्जन से पूर्व कपूर की आरती पुनः संपन्न करें। श्री गणेश से खुशी-खुशी बिदाई की कामना करें और उनसे धन, सुख, शांति, समृद्धि के साथ मनचाहे आशीर्वाद मांगें।

10 दिन जाने-अनजाने में हुई गलती के लिए क्षमा प्रार्थना भी करें।

- श्री गणेश प्रतिमा को फेंकें नहीं उन्हें पूरे आदर और सम्मान के साथ वस्त्र और समस्त सामग्री के साथ धीरे-धीरे बहाएं।
- श्री गणेश इको फ्रेंडली हैं तो पुण्य अधिक मिलेगा क्योंकि वे पूरी तरह से पानी में गलकर विलीन हो जाएंगे। आधे अधूरे और टूट-फूट के साथ रूकेगें नहीं।
- अगर घर के गमले में गणेश जी की प्रतिमा विसर्जित करना है तो उन्हें एक स्वच्छ पात्र में रखकर पहले गला लीजिए फिर जब वे शीतल हो जाएं तब यह मिट्टी गमले में सुंदर फूलों के बीज के साथ शिफ्ट कर दीजिए।

ये मंत्र बोलकर करेंगे श्री गणेश को बिदा

श्री गणेश के विसर्जन की बेला अब करीब आ चुकी है, आइए जानते हैं विसर्जन के 2 शुभ मंत्र, जिन्हें बोलकर बप्पा को बिदा किया जाए तो वे जीवन को खुश रखने के अच्छे-अच्छे आशीर्वाद देते हैं।

श्री गणेश विसर्जन मंत्र 1

यान्तु देवगणाः सर्वे पूजामादाय मामकीम।
इष्टकामसमृद्धयर्थं पुनर्अपि पुनरागमनाय च।।

श्री गणेश विसर्जन मंत्र 2

गच्छ गच्छ सुरश्रेष्ठ स्वस्थाने परमेश्वर।
मम पूजा गृहीत्मेवां पुनरागमनाय च।।

अनंत चतुर्दशी के दिन कितने दीये जलाने चाहिए?

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के दिन अनंत चतुर्दशी मनाई जाती है। इस साल अनंत चतुर्दशी 6 सितंबर की है। अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत रूपों की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु की इस दिन पूजा करने से अनंत सुखों की प्राप्ति होती है और जीवन से कष्ट-परेशानियां दूर हो जाती हैं। इसके अलावा, अनंत चतुर्दशी के दिन दीया जलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि अनंत चतुर्दशी पर कितने दीये जलाने चाहिए।

अनंत चतुर्दशी के दिन कितने दीये जलाने चाहिए?

- अनंत चतुर्दशी के दिन सबसे पहले भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाएं। इस दिन भगवान विष्णु के समक्ष घी का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है।
- अनंत चतुर्दशी के दिन दूसरा दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। यह दीया सरसों के तेल या तिल के तेल से भी जला सकते हैं। घर के मुख्य द्वार पर इस दिन दीया जलाने से घर का वास्तु दोष दूर हो जाता है।
- अनंत चतुर्दशी के दिन तीसरा दीया घर की रसोई में जलाना चाहिए। घर की रसोई में नव ग्रहों और मां अन्नपूर्णा का वास होता है। ऐसे में इस दिन घर के किचन में दीया जलाने से घर धन-धान्य से भरा रहता है।
- अनंत चतुर्दशी के दिन चौथा दीया तुलसी के पौधे के पास जलाना चाहिए। तुलसी के पौधे के पास इस दिन दीया जलाने से मां लक्ष्मी का भगवान विष्णु के साथ घर में निवास होता है और उनकी कृपा मिलती है।

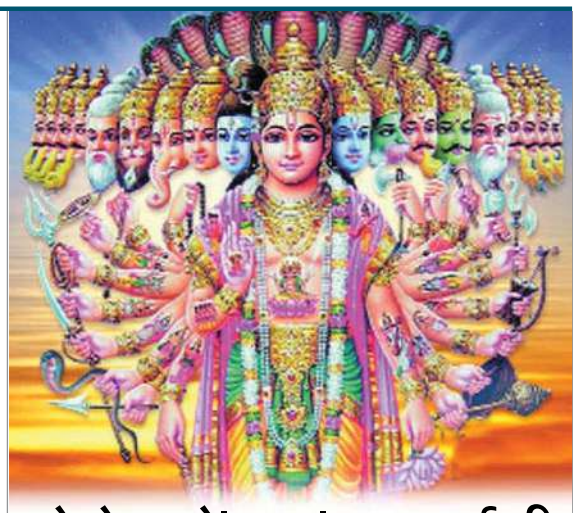

ऐसे करें अनंत चतुर्दशी में श्री विष्णु की पूजा

एक वर्ष में 24 चतुर्दशी होती है। मूलतः तीन चतुर्दशियों का महत्व है- अनंत, नरक और वैकुंठ। अनंत चतुर्दशी भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में आती है। डोल ग्यारस के बाद अनंत चतुर्दशी और उसके बाद पूर्णिमा।

विष्णु की पूजा

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान अनंत (विष्णु) की पूजा का विधान होता है। भगवान विष्णु के सेवक भगवान शेषनाग का नाम अनंत है। अग्नि पुराण में अनंत चतुर्दशी व्रत के महत्व का वर्णन मिलता है।

पूजन कैसे करें

प्रातःकाल स्नान आदि से निवृत्त होकर व्रत का संकल्प लेकर पूजा स्थल पर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पर अष्टदल कमल की तरह बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना करने के पश्चात एक धागे को कुमकुम, केसर और हल्दी से रंगकर अनंत सूत्र तैयार करें, इसमें चौदह गांठें लगी होनी चाहिए। इसे भगवान विष्णु की तस्वीर के सामने रखकर भगवान विष्णु और अनंत सूत्र की षोडशोपचार विधि से पूजा शुरू करें और नीचे दिए गए मंत्र का जाप करें। मिष्ठान आदि का भोग लगाएं एवं अनंत भगवान का ध्यान करते हुए सूत्र धारण करें। यह डोरा भगवान विष्णु को प्रसन्न करने वाला तथा अनंत फल देने वाला माना गया है। इस दिन श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करना बहुत उत्तम माना जाता है। भगवान विष्णु की कृपा के लिए श्री सत्यनारायण की कथा करना बहुत लाभकारी है।

अनंत सूत्र बांधने का मंत्र

अनंत संसार महासमुद्रेमग्नं समभ्युद्धर वासुदेव।
अनंतरूपे विनियोजयस्वह्यनंतसूत्राय नमो नमस्ते।।

अनंत सूत्र : इस दिन अनंत सूत्र बांधने का विशेष महत्व होता है। इस व्रत में भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा के बाद बाजू पर अनंत सूत्र बांधा जाता है। यह अनंत सूत्र (शुद्ध रेशम या कपास के सूत के धागे) को हल्दी में भिगोकर 14 गांठ लगाकर तैयार किया जाता है। इसे हाथ या गले में ध्यान करते हुए धारण किया जाता है। हर गांठ में श्री नारायण के विभिन्न नामों से पूजा की जाती है। पहले में अनंत, श्री अनंत भगवान का पहले में अनंत, उसके बाद ऋषिकेश, पद्मनाभ, माधव, वैकुंठ, श्रीधर, त्रिविक्रम, मधुसूदन, वामन, केशव, नारायण, दामोदर और गोविन्द की पूजा होती है। मान्यता है कि इस अनंत सूत्र को बांधने से व्यक्ति प्रत्येक कष्ट से दूर रहता है। जो मनुष्य विधिपूर्वक इस दिन श्री हरि की पूजा करता है उसे सभी पापों से छुटकारा मिल जाता है। धन-धान्य, सुख-संपदा और संतान आदि की कामना से यह व्रत किया जाता है। इस दिन व्रत रखने के साथ-साथ यदि कोई व्यक्ति श्री विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र का पाठ करता है, तो उसकी समस्त मनोकामना पूर्ण होती है।

अनंत पुण्य देने वाला उत्तम व्रत

भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनंत चतुर्दशी का व्रत किया जाता है। इस दिन अनंत के रूप में हरि की पूजा होती है। पुरुष दाएं तथा स्त्रियां बाएं हाथ में अनंत धारण करती हैं। अनंत राखी के समान रूई या रेशम के कुंकू रंग में रंगे धागे होते हैं और उनमें चौदह गांठे होती हैं। इन्हीं धागों से अनंत का निर्माण होता है। यह व्यक्तिगत पूजा है, इसका कोई सामाजिक धार्मिक उत्सव नहीं होता।

अग्नि पुराण में इसका विवरण है। व्रत करने वाले को धान के एक प्रसर आटे से रोटियां या पूड़ी बनानी होती हैं, जिनकी आधी वह ब्राह्मण को दे देता है और शेष स्वयं प्रयोग में लाता है। इस दिन व्रती को चाहिए कि प्रातःकाल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त होकर कलश की स्थापना करें। कलश पर अष्टदल कमल के समान बने बर्तन में कुश से निर्मित अनंत की स्थापना की जाती है। इसके आगे कुंकूम, केसर या हल्दी से रंग कर बनाया हुआ कच्चे डोरे का चौदह गांठों वाला 'अनंत' भी रखा जाता है।

व्रत की महिमा और मंत्र

यूं तो यह व्रत नदी-तट पर किया जाना चाहिए और हरि की लोककथाएं सुननी चाहिए। लेकिन संभव ना होने पर घर में ही स्थापित मंदिर के सामने हरि से इस प्रकार की प्रार्थना की जाती है- 'हे वासुदेव, इस अनंत संसार रूपी महासमुद्र में डूबे हुए लोगों की रक्षा करो तथा उन्हें अनंत के रूप का ध्यान करने में संलग्न करो, अनंत रूप वाले प्रभु तुम्हें नमस्कार है।' इस मंत्र से हरि की पूजा करके तथा अपने हाथ के ऊपरी भाग में या गले में धागा बांध कर या लटका कर (जिस पर मंत्र पढ़ा गया हो) व्रती अनंत व्रत को पूर्ण करता है। यदि हरि अनंत हैं तो 14 गांठें हरि द्वारा उत्पन्न 14 लोकों की प्रतीक हैं। अनंत चतुर्दशी पर कृष्ण द्वारा युधिष्ठिर से कही गई कौण्डिन्य एवं उसकी स्त्री शीला की गाथा भी सुनाई जाती है।

आत्मानुभूति जीवन में सबसे सुन्दर अवस्था है : श्री माताजी

श्री माताजी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग ध्यान, कुंडलिनी जागरण तथा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति पर आधारित है। परंतु वास्तविक प्रश्न यह है कि आत्मसाक्षात्कार वस्तुतः क्या है तथा इसे पाना क्यों आवश्यक है? साथ ही जिज्ञासा यह भी उठती है की आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात हमें क्या उपलब्धि हासिल होती है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार अर्थात् आत्मबोध के विषय में श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में वर्णित किया है कि,

"जब आपको आत्मबोध हो जाता है, तो आपका पूरा तन, मन, सब कुछ एकीकृत हो जाता है और आप जो कुछ भी करते हैं वह आनंद प्रवाहित करता है। अब यह सब आपके लिए बहुत विलक्षण है। मैं जानती हूं कि यह आपके लिए बहुत ज्यादा है, बहुत ज्यादा है.... यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। यह एकमात्र चीज़ है जिसे आपको हासिल करना है। बेकार के चमत्कारों में न जाएं। अपनी आत्मा के चमत्कारों को मांगें। जब आत्मा की अभिव्यक्ति होती है, आप आश्चर्यचकित हो जाएंगे कि आप कितना सुन्दर महसूस करते हैं, और कितनी सुन्दरता से आप इसे कार्यान्वित करते हैं, क्योंकि आपने अपनी पूर्णता को पा लिया है, आपको अपनी मंजिल मिल गई है, आप अपने लक्ष्य तक पहुंच गए हैं।" (17 जुलाई 1980) आत्मतत्व की प्राप्ति के सवाल पर अधिकांशतः यह संदेह उत्पन्न होता है कि यह महान, मनीषियों के लिए तो संभव है परन्तु क्या भौतिक जगत में रहते हुए साधारण मनुष्यों को इसकी प्राप्ति हो सकती है। वर्तमान में श्री माताजी की अनुकम्पा से यह सर्वसुलभ है तथा अत्यंत सहज है। सर्वधर्म व संपूर्ण विश्व के लाखों सामान्य व्यक्तियों ने इसे प्राप्त किया है। आप भी इस आनंद को सहज में ही पा सकते हैं। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है।

टोल फ्री नं – 1800 2700 800

शिक्षकों की समस्या हल करने के लिए मैं सदैव तत्पर हूं

आज इस सम्मान समारोह में अपने परिवार में आया -भंवरा

बागली/पीपरी।सनातन विचार मंच नर्मदा मंदिर परिसर पीपरी में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

शिक्षक सम्मान समारोह में बागली विधायक मुरली भंवरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेश गुर्जर ने की विशेष अतिथि के रूप में संस्था के संस्थापक रविंद्रनाथ भारद्वाज, अध्यक्ष महेंद्र नागर, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा, लेखक राजेंद्र बज,पत्रकार सुनील योगी, संकुल प्रभारी पप्पूसिंह अचाले उपस्थित रहे । समिति के सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि मुरली भंवरा के साथ मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया । शिक्षकसम्मान कार्यक्रम में क्षेत्र के 120 शिक्षकों का सनातन संस्था के माध्यम से बतोर मुख्य अतिथि के रूप मेंआए मुरली भंवरा द्वारा स्वागत किया गया। विधायक ने अपने 50 मिनट के उद्बोधन में कहा शिक्षक की गोद में विकास और प्रलय दोनों का जन्म होता है। साथ ही सोनकच्छ क्षेत्र की नाबालिक बालक द्वारा की गई अपराधिक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि सर्वप्रथम बच्चों का भविष्य उसके परिवार के माहौल पर निर्भर करता है। सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित होकर खुद को शिक्षक परिवार का सदस्य बताते हुए कहा कि क्षेत्र के शिक्षको की समस्या हल करने के लिए उनके द्वारा हमेशा खुले हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक लोकेंद्र परिहार ने देश भक्ति कविता से माहौल को ऊर्जावान बना दिया इसी दौरान शिक्षक नंदराम लिलोरीया पवन पाचोरिया आदि ने भी अपनी बातें रखी संस्था जुड़े गिरधर गुप्ता लोकेश जैन,सतीश अग्रवाल,पवन जैन,शुभम सेंधव, सागर जाटव,सुमित गुप्ता,जगदीश विश्वकर्मा, आचार्य रतनसिंह सेंधव,उपस्थित रहे । शिक्षक सम्मान समारोह के साथ-साथ संस्था द्वारा क्षेत्र से जुड़े पत्रकारों में शामिल डी एल चौहान अरविंद ठाकुर राजेंद्र योगी का एवं वरिष्ठ कावड़ यात्री के रूप में राजा अजमेरा का भी शाल श्रीफल से सम्मान किया कार्यक्रमका संचालक शिक्षक गिरजेंद्र वर्मा ने करते हुए विधायक से मांग की है कि शासन की नई नीति के अनुसार उन्हें अब किसी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा जिसका कोई मतलब नहीं है। उक्त आदेश को शून्य करवाने में मदद करें कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार सुरेन्द्र मिश्रा ने माना।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स